

“दौड़, जिसमें हमें दौड़ना है”

(12:1-17)

प्रेरित पौलुस ने आमतौर पर अपनी पत्रियों में खेलकूद की भाषा का इस्तेमाल किया (1 कुरिन्थियों 9:24-27; फिलिप्पियों 3:13, 14; 1 तीमुथियुस 6:12; 2 तीमुथियुस 4:7)। 12:1-17 में उसने मसीही जीवन को एक दौड़ से मिलाया। आयतें 1 से 3 और आयतें 12 और 13 में यह स्पष्ट है, परन्तु जैसा कि हम देखेंगे कि सत्रह की सत्रह आयतें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उसी विषय के साथ जुड़ी हैं। मसीही दौड़ दौड़ने के लिए हमें कई शर्तों को पूरा करना आवश्यक है।

आवश्यकता: धीरज (12:1-4)

अध्याय 10 में लेखक ने कहा, “तुम्हें धीरज धरना अवश्य है” (आयत 36क)।¹ अध्याय 11 में उसने उन विश्वासी पुरुषों और स्त्रियों के उदाहरण दिए, जिन्होंने अपनी परिस्थितियों के बावजूद धीरज रखा था। अध्याय 12 का आरम्भ धीरज के लिए अतिरिक्त शिक्षाओं के साथ होता है। (“धीरज” [आयत 1], “सभा” [आयत 2], और “साहस न छोड़” [आयत 3] शब्दों पर ध्यान दें।²)

आयत 1 दौड़ को देखने वाले लोगों की भीड़ के साथ एक रेस ट्रैक को दिखाती है। ये “गवाह” अध्याय 11 वाले विश्वास के नायक हैं। वे हमारी ओर सचमुच में स्वर्ग से नहीं देख रहे हैं। “यह तो ऐसा है जैसे वे देखकर हमें यह कहते हुए कि दिलेरी दे रहे हों, ‘दौड़ को पूरी करो!’”³

दौड़, जिसमें हमें दौड़ना है (12:1, 2क)

सहने और दौड़ पूरी करने के लिए हमें कम से कम तीन बातें करनी आवश्यक है:

हर एक रोकने वाली वस्तु को दूर करना। धावक कई बार शरीर को मजबूत करने के लिए प्रशिक्षण के दौरान भार बांध लेते हैं। यह भार दौड़ के समय उतार दिए जाते हैं।

“धीरज से दौड़ने” की ठान लें। मसीही दौड़ कम दूरी की तेज दौड़ नहीं, बल्कि मैराथन है। दौड़ आरम्भ करने से पहले हमें उसे पूरा करने की ठान लेना आवश्यक है।

लक्ष्य पर ध्यान रखो। गम्भीर धावक भीड़ की ओर या अन्य प्रतिस्पर्धियों की ओर नहीं देखता। वचन इस बात पर जोर देता है कि हमारी नज़रें यीशु पर लगी होनी चाहिए।

हमारे सामने रखा नमूना (12:2ख-4)

यीशु को हम में से किसी से भी चुनौती भरी अर्थात् इतनी कठिन दौड़ दौड़नी थी, जिसकी

हम में से कोई कल्पना भी नहीं कर सकता। लेखक ने बताया कि यीशु को अपना लहू बहाना पड़ा था, जबकि उसके पाठकों को नहीं (आयत 4)। यीशु क्रूस को इसलिए सह पाया क्योंकि उसने दौड़ पूरी करने अर्थात् “परमेश्वर के सिंहासन के दाहिनी ओर” बैठने के “आनन्द” के लिए उस लज्जा और पीड़ा को अनदेखा कर दिया। मसीह के नमूने का यदि हम “गम्भीरता से ध्यान करते हैं तो हम साहस नहीं छोड़ेंगे।”

आवश्यकता: अनुशासन (12:4-11)

आयतें 4 से 11 प्रभु के अनुशासन में अगले पाठ में हम उन आयतों को और विस्तार से देखेंगे। अभी के लिए मैं इस वचन को मसीही दौड़ के विषय के साथ जोड़ना चाहता हूँ।

विषय जारी रहते हैं

पिछले भाग में आयत 3 “निराश होने और साहस” न छोड़ने की शिक्षा के साथ खत्म हुई थी। वह विषय आयत 5 में जारी रहता है। जिसमें दोहराया गया कि पुराने नियम का वचन (नीतिवचन 3:11, 12) “... साहस न छोड़ने” का आग्रह करता है। इसके अलावा थीरज का विषय आयत 7 में जारी रहता है। आयत 11 में खेलकूद में इस्तेमाल की जाने वाली शब्दावली है। यूनानी भाषा के अनुवाद “पक्के” (“अभ्यास करते-करते”; KJV) वह शब्द है जिससे “जिम्नेज़ियम” शब्द मिला है।

अनुशासन पर जोर दिया गया

किसी भी खेल को गम्भीरता से खेलने वाला जानता है कि अनुशासन कितना आवश्यक है। अनुशासन और खेलकूद के प्रयासों पर विचार करते हुए मेरा ध्यान ओक्लाहोमा की तेज धूप में फुटबॉल का कठिन अभ्यास करने की ओर जाता है। क्या कोच हमें केवल सबक सिखाने के लिए पसीना निकालने (और कई बार पीड़ादायक) वाले कठोर अनुशासन में रखता था? नहीं, वह इसलिए रखता था क्योंकि वह चाहता था कि हम जीतने के लिए पूरा जोर लगा दें।

आज के कुछ लोगों की तरह ही कई यहूदियों को आरामदायक समय परमेश्वर के पक्ष में होने और तंगहाली का समय यह संकेत लगता था कि वह नाराज हो गया है। एक अर्थ में इब्रानियों के इस पत्र ने कहा, “यह सच नहीं है। जिस परेशानी में से आप गुज़र रहे हैं वह यह नहीं दिखाती कि परमेश्वर आपसे प्रेम नहीं करता, बल्कि इससे यह पता चलता है कि वह आपसे प्रेम करता है।” परेशानियों वाले समय कभी भी आनन्द नहीं देते, परन्तु यदि हम मजबूत बनने, दौड़ पूरी करने के योग्य होने के इच्छुक हैं तो हमें उनकी आवश्यकता है।

आवश्यकता: उपयुक्त प्राथमिकताएं (12:12-17)

यह स्पष्ट है कि आयतें 12 और 13 दौड़ के विषय से सम्बन्धित हैं। परन्तु यह इतना स्पष्ट नहीं है कि आयतें 14 से 17 प्रासंगिक किस प्रकार हैं! परन्तु ये सभी आयतें सही प्राथमिकताओं के होने पर जोर देती हैं। बढ़िया धावक होने के लिए अपने जीवन में प्राथमिकताओं को बनाना आवश्यक है; उसे अपने समय के इस्तेमाल को, खाने-पीने की आदतों को, सोने की आदतों

इत्यादि को सावधानी से नियन्त्रण करना आवश्यक है। सही प्राथमिकताएं मसीही दौड़ में सफल होने का निश्चय करने वाले के लिए आवश्यक हैं। पिछले पाठ, 12:4-11 में हमने बाहर से (परमेश्वर की ओर से) अनुशासन पर चर्चा की थी। आयतें 12 और 13 भीतर से (आत्म अनुशासन) अनुशासन की आवश्यकता बताती हैं (देखें 1 कुरिन्थियों 9:25क, 26क, 27)।

हट जाना या पूरा करना (12:12, 13)

आयतें 12 और 13 में दौड़ने वाले के लिए दो सलाह हैं। (1) छोड़ें न/दौड़ के बीच वाला भाग आम तौर पर चुनौती वाला होता है जब थकावट और मांसपेशियों में दर्द प्रतिस्पर्धी को छोड़ने के लिए विवश करते हैं। तभी उसे दौड़ पूरी करने और साहस न छोड़ने को प्राथमिकता देना याद रखना आवश्यक होता है (देखें गलातियों 6:9)। (2) सीधे आगे बढ़ते रहें। आयत 13 नीतिवचन 4:26 के शब्दों का इस्तेमाल करती है। नीतिवचन 4:25-27 के संदर्भ में इस उद्धरण को देखें। ट्रैक के एक ओर से दूसरी ओर आगे पीछे को झांकने वाला धावक सफल नहीं हो सकता।

रूकावट या सहायता? (आयतें 14 से 16)

आयतें 14 से 16 में हमें फिर लक्ष्य पर ध्यान लगाए रखने अर्थात “प्रभु को ताकने” और “परमेश्वर के अनुग्रह” को पाने पर जोर देने की बात मिलती है। इन आयतों में दौड़ पूरी करने में आने वाली कई रूकावटों जैसे अनबन, पवित्रता की कमी, कड़वाहट, अनैतिकता और अभक्ति जैसी कई रूकावटों का उल्लेख है।

इन आयतों में एक अतिरिक्त जोर दूसरे मसीही लोगों की सहायता पर जोर दिया गया है ताकि हम सब दौड़ में अच्छी तरह दौड़ सकें।¹ मसीही दौड़ सांसारिक दौड़ से अलग है। उन दौड़ों में “हर कोई अपने लिए” दौड़ता है जबकि मसीही जीवन में ऐसा नहीं है। मुझे विशेष ओलम्पिक^क दौड़ का ध्यान आता है, जो सुर्खियों में थी। उस दौड़ के दौरान एक धावक गिर गया। दौड़ में भाग लेने वाले दूसरे सब लोग रुक गए, उस गिरने वाले धावक को उठाने के लिए वापस आए और उसे उठाने लगे। फिर वे सब दोबारा से भागे। आपको और मुझे “एक-दूसरे की उन्नति के कारण” बनने के लिए ऐसा करना आवश्यक है (1 थिस्सलुनीकियों 5:11)।

यहां या इसके बाद? (12:16, 17)

अधिकतर लोग आने वाले जीवन के लिए थोड़ा या बिल्कुल भी ध्यान न करते हुए इसी जीवन पर पूरी तरह से केन्द्रित रहते हैं। धावक के प्रशिक्षण की तरह *बाद में* विजय पाने के लिए उसे अभी कुछ बातें छोड़नी आवश्यक हैं। उसे अपनी प्राथमिकताओं पर काम करना आवश्यक है; मूसा की तरह उसे दूर तक देखना आवश्यक है (देखें इब्रानियों 11:24-26)। एसाव वही व्यक्ति जिसने दूर तक नहीं देखा (उत्पत्ति 25:29-34)। वह गलत प्राथमिकताएं होने के प्रणामों का चौंकाने वाला उदाहरण है।

सारांश

खेल की सांसारिक घटनाओं में केवल एक ही दौड़ने वाला जीतता है (1 कुरिन्थियों

9:24); परन्तु मसीही दौड़ में हम एक-दूसरे के विरुद्ध प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहे, बल्कि हम सब वह बनने की कोशिश कर रहे हैं जो हमें परमेश्वर की सहायता से बनना चाहिए। हर कोई “विजयी” बन सकता है। मेरी प्रार्थना है कि परमेश्वर हम में से हर किसी को अपने जीवन की प्राथमिकताओं पर काम करने अर्थात् “जिन्हें पहल देनी चाहिए उन्हें पहल” देने में सहायता करे (देखें मती 6:33)। यदि हम अपनी प्राथमिकताओं को सही ढंग से देखेंगे तो पौलुस की तरह हम भी “दौड़” पूरी करने के योग्य हो जाएंगे (2 तीमुथियुस 4:7; NIV)। नये नियम के समयों में सांसारिक दौड़ जीतने वाले धावक को “नाश होने वाला [लारेल की पत्तियों की]” मिलती थी, परन्तु हमें एक “अविनाशी” मुकुट मिलेगा (1 कुरिन्थियों 9:25; देखें 2 तीमुथियुस 4:8; याकूब 1:12; 1 पतरस 5:4; प्रकाशितवाक्य 2:10)।

सिखाने वाले के लिए नोट्स

यदि आप इस पाठ का इस्तेमाल प्रवचन के रूप में करते हैं तो आपको जोर देना चाहिए कि विजय का मुकुट पाने के लिए धावक को “नियमों के अनुसार” (2 तीमुथियुस 2:5) और सही ट्रैक पर भागना आवश्यक है। अपने सुनने वालों को बताएं कि मसीही दौड़ के लिए योग्य कैसे होना है (गलातियों 3:26, 27) और दौड़ में भाग लेने के लिए कहां होना (कलीसिया में; इफिसियों 5:25-27) आवश्यक है।

सही प्राथमिकताओं का होना इतना आवश्यक है कि आपको आयतें 14 से 17 में प्राथमिकताओं पर एक अलग से पाठ बताना चाहिए। आप उन आयतों में विशेष निर्देशों पर और समय दे सकते हैं, जिनमें से प्रत्येक हमारे जीवन की प्राथमिकताओं का भाग होनी चाहिए। ये वचन एसाव के उत्कृष्ट उदाहरण के साथ समाप्त होता है जिसकी प्राथमिकताओं में गम्भीर खामियां थीं।

टिप्पणियां

¹इस पुस्तक में पहले आप पाठ “आप कर सकते हो!” में “धीरज” शब्द पर नोट्स देखें। ²12:7 में “सहना” शब्द के इस्तेमाल को भी देखें। ³26 अक्टूबर 1985 में फोर्ट वर्थ, टेक्सस में इब्रानियों की पुस्तक पर नील आर. लाइटफुट की एसीयू की एक्सटेंशन क्लास। “परन्तु वे “लगे रहना” शब्द के साथ आरम्भ होते हैं। जो किसी के तेजी से आगे बढ़ने की आकृति को दिखाता है। “कड़्यों का विचार है कि आयतें 12 और 13 में भी यही जोर दिया गया है। “विशेष ओलम्पिक” वह घटना है जिसमें किसी प्रकार अपंग होने वाले खेलकूद की प्रतिस्पर्धाओं को दिखाया जाता है।